Literacy for a Billion

Movie: Warrant
Year: 1965

Song: Sun Bhai Baraati
Lyricist: Anand Bakshi

सुन भाई बाराती
सुन भाई बाराती

अरे दूल्हा दुल्हन को
अकेला ज़रा छोड़ो
प्यार भरी बातें
करें जीवन साथी

सुन भाई बाराती
सुन भाई बाराती

हाँ बड़ी मुश्किल से
दिल मिलते हैं
अरमानों के गुल
खिलते हैं
जीवन में बस एक बार

बड़ी मुश्किल से
दिल मिलते हैं
अरमानों के गुल
खिलते हैं
जीवन में बस एक बार

साजन सजनी को
अकेला ज़रा छोड़ो
मिलके गले लहराएँ
दीपक बाती

सुन भाई बाराती

सुन भाई बाराती हाँ
हाँ ऊपर से हम
रँगीले हैं
अन्दर से हम
शर्मीले हैं
देखो ना हमें इस तरह

ऊपर से हम
रँगीले हैं
अन्दर से हम
शर्मीले हैं
देखो ना हमें इस तरह

लड़का लड़की को
अकेला ज़रा छोड़ो
रात मिलन की है
इक बार आती

सुन भाई बाराती
सुन भाई बाराती

हे काम करो सब
अपना अपना
देख रहे हैं
हम इक सपना
प्रेमी हैं खोए हुए

काम करो सब
अपना अपना

देख रहे हैं
हम इक सपना
प्रेमी हैं खोए हुए

अरे गुड्डा गुड्डी को
अकेला ज़रा छोड़ो
फिर देखो प्रीत
क्या है रँग लाती
सुन भाई बाराती
सुन भाई बाराती

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.